भारत सरकार
श्रम और रोजगार मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 3299
गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक)

रोजगार पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव

3299 # श्री संजय सिह:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने यह आकलन किया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों और निजी क्षेत्र की नौकरियों की संख्या में किस हद तक कमी आई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में कितने लोग एआई के कारण प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बेरोजगार हुए हैं, तत्संबंधी राज्य-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ख): नैसकॉम की अगस्त 2024 में प्रकाशित "एडवांसिंग इंडियाज एआई स्किल्स" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई प्रतिभा के 6 लाख-6.5 लाख पेशेवरों से वर्ष 2027 तक 15 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से 12.50 लाख से अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के परिणामस्वरूप कुछ नियमित नौकरियों का स्वचालन हो सकता है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन भी होगा। इसके लिए रीस्किलिंग और अपस्किलिंग की आवश्यकता होगी, जिसके लिए सरकार, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी कर्मियों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 18.56 लाख से अधिक उम्मीदवार फ्यूचर स्किल्स प्राइम पोर्टल पर जुड़े हैं, जिनमें से 3.37 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने अपना कोर्स पूरा कर लिया है।

इसके अलावा, एमईआईटीवाई द्वारा नासकॉम की साझेदारी से कार्यान्वित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए उत्कृष्टता केंद्र योजना के तहत, स्टार्टअप्स को विनिर्माण कंपनियों के उपयोग हेतु एआई आधारित टूल और एप्लिकेशन विकसित करने के लिए सहायता दी जाती है। विनिर्माण क्षेत्र में कंपनियों द्वारा ऐसे कई उपाय प्रयोग किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने साझेदारों के साथ मिलकर स्कूली छात्रों के लिए 'युवाआई: एआई के साथ युवाओं की उन्नति और विकास' नामक एक राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू किया है जिसका उद्देश्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयक क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी तथा विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और प्रयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों की जानकारी, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, रोजगार क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है। दिनांक 14.07.2025 तक, एनसीएस पोर्टल पर 6.43 करोड़ से अधिक रिक्तियां (जिसमें अन्य के साथ-साथ सरकारी, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम शामिल हैं) जुटाई गई हैं।

*****